

यत्ता — पाचवी
पाठ्यपुस्तक — सुलभ गोमंत भारती
कोंकणी पुस्तक पयलें
पयलें मध्यसत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|------------|-------------|
| २. पावस | ०२ |
| ३. वडापुनव | ०३ |
| ४. पारख | ०३ |

| कविता | गूण विभागणी |
|------------------------|-------------|
| १. मागणें | ०३ |
| ५. सैमा आंगणांत खेळुया | ०३ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|----------------------------|-------------|
| १. नाम | ०१ |
| २. सर्वनाम | ०१ |
| ३. उतरांचो वाक्यांत उपेग | ०१ |
| ४. उरफाट्या अर्थाचीं उतरां | ०१ |
| ५. लिंग वळखून बरोवप | ०१ |
| ६. वचन वळखून बरोवप | ०१ |

वट्ट — २० गूण

पयलें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|-------------------------|-------------|
| १. पावस | ०२ |
| २. वडापुनव | ०२ |
| ३. पारख | ०२ |
| ६. भलायकी | ०४ |
| ७. हुंदीर चल्लो चंद्रार | ०४ |
| ८. शणै गोंयबाब | ०४ |
| १०. खरो इश्ट | ०४ |

| कविता | गूण विभागणी |
|-----------------------|-------------|
| १. मागणें | ०२ |
| ५ सैमा आंगणांत खेळुया | ०२ |
| १. गणपती बाप्पा मोरया | ०४ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|------------------------------|-------------|
| १. विशेशण | ०१ |
| २. क्रियापद | ०१ |
| ३. नाम | ०१ |
| ४. सर्वनाम | ०१ |
| ५. वाक्प्रचाराचो अर्थ | ०२ |
| ६. लिंग वळखून बरोवप | ०१ |
| ७. वचन वळखून बरोवप | ०१ |
| ८. समानार्थी शब्द बरोवप | ०१ |
| ९. डतरांचो वाक्यांत उपेग करप | ०१ |

| रचना | |
|---|----|
| १. निबंध लेखन | ०५ |
| पावस / आवडीचो सण / परब म्हजो इश्ट, गाय | |
| २. अणकार | ०२ |
| ३. वाक्याचो क्रम लावन काणी बरोवप | ०३ |

वट्ट ५० गूण

व्यवसाय

१. वेगवेगळ्या सवण्यांची चित्रां आनी म्हायती.
२. पावसाचीं वेगवेगळीं रूपां दाखोवपी कात्रणांचो संग्रह.

दुसरें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|--------------------|-------------|
| ११. मदर तेरेझा | ०२ |
| १२. देख | ०२ |
| १४. पाच मिनटां | ०२ |
| १५. काणकोणचो कुणबी | ०३ |

| कविता | गूण विभागणी |
|-----------------------|-------------|
| १३. माणकुलें गोंय हें | ०३ |
| १७. लोकगीत | ०३ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|--------------------------|-------------|
| १. लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| २. वचन बदलून बरोवप | ०१ |
| ३. समानार्थी उतरां | ०१ |
| ४. विशेशण | ०१ |
| ५. उतरांचो वाक्यांत उपेग | ०१ |

गूण २०

व्यवसाय

१. लोकगितांचो संग्रह (मांडो, दुल्पदां, फुगडी, धालो)
२. गोंयच्या सैमासंबंधान चित्रांचो संग्रह

दुसरें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|-------------------|-------------|
| ११ . मदर तेरेझा | ०२ |
| १२. देख | ०२ |
| १४ पाच मिनटां | ०१ |
| १५ काणकोणचो कुणबी | ०२ |
| १६ खरी आवय | ०३ |

| | |
|--------------------------------------|----|
| १७ मिलाग्र सायबिणीचें फुस्त | ०४ |
| १८. म्हातारे, म्हातारे कूय कूय | ०४ |
| १९ बापूजी | ०४ |

| | |
|-------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| १३. माणकुलें गोंय | ०२ |
| १७. लोक — गीत | ०२ |
| १८ शबरी आनी बोरां | ०४ |

| | |
|---------------------------------|-------------|
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| १. लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| २. वचन बदलून बरोवप | ०१ |
| ३. वाक्प्रचारांचो वाक्यांत उपेग | ०१ |
| ४. विशेशण | ०१ |
| ५. क्रियापद | ०१ |
| ६. समानार्थी उतरां | ०१ |
| ७. उरफाटीं उतरां | ०१ |

| | |
|--|-------------|
| रचना | गूण विभागणी |
| १. निबंध लेखन गांवची जात्रा / फेस्त, म्हजी आवय, महात्मा गांधी | ०६ |
| २. उतारो आनी ताचे प्रस्न | ०४ |
| ३. अणकार | ०२ |

वट्ट ५० गूण

व्यवसाय (अतिरिक्त)

एका फुडा—याची म्हायती (फोटोसयत)

मदर तेरेझा आनी गांधीजी वगळून

यत्ता — सवी
पाठ्यपुस्तक — सुलभ गोमंतभारती
कोंकणी — पुस्तक दुसरे
पयलें मध्यसत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|----------------------------|-------------|
| १. सुवार्थ | ०२ |
| २. परिवर्तन | ०२ |
| ३. निवळसाण | ०२ |
| ४. बेर्था मिनेझीस ब्रागांज | ०२ |

| कविता | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| ४ सोबीत आमचें गोंय | ०२ |
| ८. म्हज्या घरा दारा मुखार | ०२ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|-------------------------------------|-------------|
| १. नामाच्यो परी — जातनाम आनी खासनाम | ०१ |
| २. वाक्यांतलें लिंग बदलप | ०१ |
| ३. वाक्यांतलें वचन बदलप | ०१ |
| ४. समानार्थी शब्द | ०१ |
| ५. विरूध्दार्थी शब्द | ०१ |

निबंध लेखन

| | |
|----------------------------|----|
| १. म्हजें गोंय, म्हजी शाळा | ०३ |
|----------------------------|----|

वट्ट — २० गूण

पयलें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| १. सुवार्थ | ०२ |
| २. परिवर्तन | ०२ |
| ३. निवळसाण | ०२ |
| ५ बेर्था मिनेझीस ब्रागांझ | ०२ |

| | |
|----------------|----|
| ६ आमचो गांव | ०३ |
| ७ इश्टाक चीट | ०३ |
| ९ नव्याची परब | ०३ |
| १० दर्या उलयता | ०३ |

| | |
|--------------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| ४ सोबीत आमचें गोंय | ०३ |
| ८ म्हज्या घरा दारा मुखार | ०३ |
| १२. परिक्षा | ०३ |

| | |
|--------------------------------------|-------------|
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| १. नामाच्यो परी जातनाम आनी खासनाम | ०२ |
| २. वाक्यांतलें लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| ३. वाक्यांतलें वचन बदलून बरोवप | ०१ |
| ४. वाक्प्रचाराचो अर्थ, वाक्यांत उपेग | ०२ |
| ५. उरफाटे शब्द | ०१ |
| ६. समानार्थी शब्द | ०१ |
| ७. काळ वळखून बरोवप | ०२ |

| | |
|-----------------------------|-------------|
| रचना | गूण विभागणी |
| १. निबंधलेखन, आपजीण, चरित्र | ०५ |
| २. चीट — घरगुती | ०४ |
| ३. अणकार | ०२ |

वट्ट — ५०

दुसरें मध्यसत्र

| | |
|---------------------|-------------|
| पाठ | गूण विभागणी |
| ११. स्वावलंबन | ०२ |
| १३. कोलो आनी मानगें | ०२ |
| १४. ख्यास्त | ०३ |

| | |
|----------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| १६. म्हाका एक घर जाय | ०३ |

| | |
|--------------------------------------|-------------|
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| १. नामाच्यो परी — भावनाम, रासनाम | ०१ |
| २. समानार्थी शब्द | ०१ |
| ३. उरफाटे शब्द | ०१ |
| ४. वाक्यांतलें लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| ५. वाक्यांतलें वचन बदलून बरोवप | ०१ |
| ६. वाक्प्रचाराचो अर्थ, वाक्यांत उपेग | ०१ |

| | |
|-------|----|
| रचना | |
| अणकार | ०१ |
| निबंध | ०३ |

वट्ट — २० गूण

दुसरें सत्र

| | |
|-----------------------|-------------|
| पाठ | गूण विभागणी |
| ११. स्वावलंबन | ०२ |
| १३. कोलो आनी मानगें | ०२ |
| १४. ख्यास्त | ०२ |
| १५. धा पायांचें जनावर | ०४ |
| १७. जम्मू काश्मिर | ०४ |
| १८. खरें गिज्ञान | ०४ |
| १९. मास्टर दत्ताराम | ०४ |

| | |
|----------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| १२. परिक्षा | ०२ |
| १६. म्हाका एक घर जाय | ०३ |
| २०. भारत देश | ०३ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|---------------------------------------|-------------|
| १. नामाच्यो परी — भावनाम, रासनाम | ०१ |
| २. समानार्थी शब्द | ०१ |
| ३. उरफाटे शब्द | ०१ |
| ४. लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| ५. क्रियापदाचें फावो तें रूप घालप | ०२ |
| ६. वाक्प्रचाराचो अर्थ / वाक्यांत उपेग | ०२ |
| ७. वचन बदलून बरोवप | ०१ |
| ८. उतरां वापरून नवीं वाक्यां घडोवप | ०२ |

| रचना | गूण विभागणी |
|--------------------------|-------------|
| मुद्यावयल्यान काणी बरोवप | ०४ |

| निबंध | गूण विभागणी |
|-----------------------------|-------------|
| १. हावें केल्ली भोंवडी | ०५ |
| २. गोंयचो एक नामनेचो कलाकार | |

वट्ट — ५०

यत्ता — सातवी
पाठ्यपुस्तक — सुलभ गोमंत भारती
कोंकणी पुस्तक तिसरें
पयलें मध्यसत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------|-------------|
| २. कोलो बुध्द शिकलो | ०२ |
| ३. आमच्यो परबो | ०२ |
| ४. सुटके झुजारी | ०२ |
| ६. धोलयो | ०१ |
| ७. एक चीट | ०१ |

| कविता | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| १. येतात तितले येवंदी बाण | ०२ |
| ५. कोण सांबाळटा | ०२ |
| २१. राखी | ०१ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|---|-------------|
| १. सर्वनामाच्यो परी — पुरूशवाचक, आत्मवाचक | ०१ |
| २. समानार्थी उतरां | ०१ |
| ३. उरफाटीं उतरां | ०१ |
| ४. वाक्प्रचारांचो अर्थ आनी वाक्यांत उपेग | ०१ |

| रचना | गूण विभागणी |
|------------------------|-------------|
| निबंध लेखन | ०३ |
| १. म्हजी आवडटी परब | |
| २. गोंयचे सुटके झुजारी | |

वट्ट — २०

पयलें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------|-------------|
| २. कोलो बुध्द शिकलो | ०१ |
| ३. आमच्यो परबो | ०२ |
| ४. सुटके झुजारी | ०२ |
| ६. धोलयो | ०२ |
| ७. एक चीट | ०२ |
| ८. तियात्र | ०३ |
| १०. गिरनार | ०३ |
| ११. पांयगूण | ०३ |
| १२. पर्यावरण | ०३ |

| कविता | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| १. येतात तितले येवंदी बाण | ०२ |
| ५. कोण सांबाळटा? | ०२ |
| १३. बापूजी | ०२ |
| २१. राखी | ०२ |

व्याकरण

| | |
|---|----|
| १. सर्वनामाच्यो परी | |
| पुरूश, आत्मवाचक, दर्शक, प्रश्नी, संबंदी | ०३ |
| २. समानार्थी शब्द | ०१ |
| ३. उरफाट्या अर्थाचे शब्द | ०१ |
| ४. वाक्यांतलें लिंग बदल | ०१ |
| ५. वाक्यांतलें वचन बदल | ०१ |
| ६. वाक्प्रचाराचो अर्थ / वाक्यांत उपेग | ०१ |

रचना

| | |
|---|----|
| निबंध लेखन — आत्मकथा, वर्णनात्मक, चरित्रात्मक | ०६ |
| पत्रलेखन — औपचारीक | ०५ |
| अणकार | ०२ |

वट्ट ५० गूण

दुसरें मध्य सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------|-------------|
| १४. दोळ्यांची गरज | ०२ |
| १५. म्हजी जीण | ०२ |
| १६. रेल्वे स्टेशन | ०२ |
| १८. एका खिणाचो कळाव | ०२ |

| कविता | गूण विभागणी |
|-----------------|-------------|
| ५. कोण सांबाळटा | ०२ |

| | |
|--------------|----|
| १. किरा किरा | ०२ |
| १७. शेतकार | ०२ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|--|-------------|
| १. विशेशणाच्यो परी — गुणविशेशण, आंकविशेशण | ०१ |
| २. समानार्थी उतरां | ०१ |
| ३. उरफाट्या अर्थाचीं उतरां | ०१ |

| | |
|---|----|
| रचना | |
| निबंध लेखन | ०३ |
| झाड आमचो इश्ट, रेल्वे स्टेशनार अर्धवर — आनी अशे तरेचे हेर निबंध | |

वट्ट —२० गूण

| पाठ | दुसरें सत्र | गूण विभागणी |
|---------------------|-------------|-------------|
| १४. दोळ्यांची गरज | | ०१ |
| १५. म्हजी जीण | | ०१ |
| १६. रेल्वे स्टेशन | | ०१ |
| १८. एका खिणाचो कळाव | | ०१ |
| १९. बॅक | | ०३ |
| २०. शेरूक | | ०३ |
| २२. डॉ. आंबेडकर | | ०३ |
| २३. गोशाळा | | ०३ |
| २४. नाडाक सवायनाड | | ०३ |

| | |
|----------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| ५ कोण सांबाळटा | ०२ |

| | |
|-----------------|----|
| ९. किरा किरा | ०४ |
| १७. शेतकार | ०३ |
| २५. फुलांचो कवी | ०४ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|--|-------------|
| १. विशेशणाच्यो परी गूण, आंक, परिमाण | ०२ |
| २. क्रियाविशेशण अव्यय | ०२ |
| ३. जोड अव्यय | ०२ |
| ४. समानार्थी उतरां | ०१ |
| ५. उरफाटीं उतरां | ०१ |
| ६. काळ बदलून बरोवप | ०२ |
| ७. वाक्प्रचारांचो अर्थ / वाक्यांत उपेग | ०२ |

रचना

निबंधलेखन —

वर्णनात्मक, चरित्रात्मक, आत्मकथनात्मक ०६

पत्रलेखन — औपचारीक ०५

अणकार ०२

वट्ट ५० गूण

व्यवसाय

१. लागीचे बॅकेतल्या व्यवहाराची प्रत्यक्ष भेट दिवन म्हायती मेळोवप.

२. डॉ. राजेंद्र प्रसाद हांचे विशीं म्हायती मेळोवन बरयात.

यत्ता — आठवी
पाठयपुस्तक — कोंकणी वाचनपाठ
पयलें मध्यसत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---|-------------|
| १. बाँबी बाजारांत वता | ०२ |
| २. उदकांतलें धाडस | ०२ |
| ३. तामू | ०२ |
| पद्य | गूण विभागणी |
| १. आज हिमालय पेट्टा | ०२ |
| २. पावस पाणी | ०२ |
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| १. कंवसातलीं क्रियापदाचीं रूपां वाक्यांत घालप | ०१ |
| २. विशेशणाच्यो परी गूण आनी अंक | ०१ |
| ३. नामाच्यो परी खासनाम, जातनाम | ०१ |
| ४. वाक्प्रचाराचो वाक्यांत उपेग करात | ०१ |
| ५. उरफाटे शब्द | ०१ |
| ६. समानार्थी शब्द | ०१ |
| रचना | गूण विभागणी |
| निबंद लेखन | ०३ |
| आपजीण, चरित्रात्मक | |

वट्ट — २०

पयली सत्र परिक्षा

| गद्य पाठ | गूण विभागणी |
|-----------------------|-------------|
| १. बाँबी बाजारांत वता | ०२ |
| २. उदकांतलें धाडस | ०२ |
| ३. तामू | ०२ |

| | |
|------------------------|----|
| ४.हांव कंप्युटर उलयतां | ०४ |
| ५.अशीय एक भोंवडी | ०४ |

| पद्य | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| १.आयज हिमालय पेट्टा | ०२ |
| २.पावस पाणी | ०२ |
| ३. वस्तूर सुकोवची ती दोरी | ०२ |
| ४ सवप्यांची शाळा | ०२ |
| ५ कॉक्रिटाच्या जंगलात | ०२ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|---|-------------|
| १. कंवसातलीं क्रियापदाचीं रूपां वाक्यांत घालप | ०२ |
| २. नामाच्यो परी | ०२ |
| ३. सर्वनामाच्यो परी | ०२ |
| ४. वाक्प्रचाराचो उपेग करून वाक्य घडयात | ०१ |
| ५. काळाचे प्रकार | ०१ |

| रचना | गूण विभागणी |
|--|-------------|
| ➤ निबंद लेखन — चरित्र, वर्णनात्मक, आपजीण | ०४ |
| ➤ चीट — घरगुती | ०४ |
| ➤ मुद्यावयल्यान काणी | |
| ➤ अपूर्ण संवाद — पाठांतलो वा भायलो | ०२ |
| ➤ अणकार | ०२ |

वेवसाय

- चित्रासयत गोंयच्या पर्यटन थळांची म्हायती
- कोंकणीतलें खंयचेंय एक गद्यसाहित्याचें पुस्तक वाचून त्या पुस्तकाचेर तुमचो अभिप्राय /मत / विचार बरयात
(कथासंग्रह, कादंबरी, प्रवासवर्णन, नाटक)

- कोंकणीतलो खंयचोय एक कवितासंग्रह वाचून त्या कवितासंग्रहाचेर तुमचो अभिप्राय / मत / विचार बरयात

दुसरें मध्य सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| ६ एड्स | ०२ |
| ७ फटय फटय फटयलो | ०२ |
| ८ गोंयच्या सायबाचें फेस्त | ०२ |

| पद्य पाठ | गूण विभागणी |
|--------------|-------------|
| ६. म्हजी आवय | ०२ |
| ७ धालो | ०२ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|-------------------------------|-------------|
| १. अव्ययां – चारय प्रकार | ०१ |
| २. वाक्यांचे लिंग बदलून बरोवप | ०१ |
| ३. हयकारी / न्हयकारी उतरां | ०१ |
| ४. समानार्थी / उरफाटीं उतरां | ०१ |

| निबंध लेखन | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| ➤ म्हजो आवडटो सुटकेझुजारी | ०३ |
| ➤ गांवचें फेस्त / जात्रा | |

- वेवसाय

बाजारांत मेळपी तयार पदार्थ / खाणां तांचो भलायकेचेर परिणाम

दुसरें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------|-------------|
| ६. एड्स | ०२ |

| | |
|-------------------------------------|----|
| ७. फटय फटय फटयलो | ०२ |
| ८ गोंयच्या सायबाचें फेस्त | ०२ |
| ९.चीट | ०३ |
| १०.मुक्ती झुजारी निकूबाब कारापुरकार | ०३ |
| ११.लागणूक | ०३ |

| | |
|-------------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| ६.म्हजी आवय | ०२ |
| ७.धालो | ०२ |
| ८.तारया बेगीन व्हलय तार | ०३ |
| ९.वाट | ०३ |

व्याकरण वट्ट — ११ गूण

कंवसात दिल्ले सुचोवणेप्रमाण बदल करात

काळ

नामाच्यो परी

लिंग

हयकारी / न्हयकारी

अव्ययां

विशेशणाच्यो परी

वाक्प्रचाराचो वाक्यात उपेग

नामाचीं विशेशणां

उरफाट्या अर्थाचीं उतरां

क्रियापदाचीं रूपां

वचन

| | |
|-------------------------|-------------|
| रचना | गूण विभागणी |
| निबंध लेखन | ०५ |
| संवादलेखन — प्रसंग दिवन | ०४ |
| चीट — व्यवसायीक | ०५ |

वेवसाय

- खंयच्याय पांच गोंयच्या सुटकेझुजा—यांचीं चित्रासयत म्हायती आपल्या गांवची म्हायती बरोवप
- बातमी लेखन —
शाळेंतल्या खंयच्याय दोन कार्यावळींचें दिसाळ्याखातीर बातमी लेखन करप.

गोंय शालांत मंडळ
म्हादय — कोंकणी वाचनपाठ
यत्ता — णवी

पयली मध्य सत्र परिक्षा

| | |
|--|-------------|
| पाठ | गूण विभागणी |
| १.कवाथो | ०२ |
| २.यशाची चावी | ०२ |
| ३.पुरणशेत | ०२ |
| कविता | गूण विभागणी |
| १.देवा म्हज्या देवा | ०२ |
| २.पावस | ०२ |
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| उरफाटी उतरां | ०१ |
| भावनामां | ०१ |
| विशेशण | ०१ |
| रचना | |
| संवाद — अपठीत (पाठाभायलो अर्धो दिल्ली) | ०२ |
| निबंद तीन निबंद दिवप एक बरोवप | ०५ |
| आपजीण, चरित्रात्मक | |

वट्ट — २० गूण

पयलें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------------|-------------|
| १.कवाथो | ०३ |
| २.यशाची चावी | ०३ |
| ३.पुरणशेत | ०२ |
| ४.सोरोप समज आनी गैरसमज | ०४ |
| ५.स्वायन फ्लू एच् १ एन् १ | ०४ |
| ६.प्लॉट | ०४ |

| कविता | गूण विभागणी |
|----------------------------|-------------|
| १.देवा म्हज्या देवा | ०२ |
| २.पावस | ०२ |
| ३.ओळख | ०२ |
| ४.उठ तरणाट्या | ०३ |
| ५.तळपाचे माळयेक जलामली कनक | ०३ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|-----------------------------|-------------|
| १. उरफाटीं उतरां | ०२ |
| २. विशेशण | ०२ |
| ३. भावनामां | ०२ |
| ४. अव्यय वापरून वाक्य घडयात | ०२ |
| ५. वाक्प्रचाराचो वापर | ०२ |
| ६. हयकारी / न्हयकारी करात | ०१ |
| ७. लिंग बदलून बरयात | ०१ |
| ८. वचन बदलून बरयात | ०१ |
| ९. वाक्य शुद्ध करून बरयात | ०१ |
| १०.वाक्याची योग्य येवजण | ०१ |
| ११.उतराची जात बरयात | ०१ |

| रचना | गूण विभागणी |
|-------------------------------|-------------|
| ➤ संवाद (अपठीत पाठाभायलो) | ०४ |
| ➤ विशय दिवन पुराय संवाद बरोवप | ०४ |

| | |
|--|----|
| ➤ उतारो प्रस्न | ०५ |
| ➤ अणकार — इंग्लिशीतल्यान कोंकणीत अणकार | ०२ |
| ➤ मुद्र्यांचेर आधारून काणी | ०५ |
| ➤ चीट — घरगुती आनी व्यवहारीक | ०५ |
| ➤ निबंदलेखन | ०७ |

दुसरें मध्यसत्र

| | |
|---------------------------------------|-------------|
| पाठ | गूण विभागणी |
| ७.खौली पासाचे वाटेन | ०२ |
| ८.ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेतो रविंद्रबाब | ०२ |
| ९.इश्टांनो सांबाळून | ०२ |

| | |
|------------------|-------------|
| कविता | गूण विभागणी |
| ६.खंय गेलो म्हजो | ०२ |
| ७.नया वर्ष | ०२ |

| | |
|---------------|-------------|
| व्याकरण | गूण विभागणी |
| अव्यय | ०१ |
| उरफाटीं उतरां | ०२ |
| विशेशण | ०२ |

| | |
|--------------------------------|-------------|
| रचना | गूण विभागणी |
| निबंद लेखन — वर्णनात्मक, आपजीण | ०५ |

वट्ट २० गूण

दुसरें सत्र

| पाठ | गूण विभागणी |
|---------------------------------------|-------------|
| ७.खौली पासाचे वाटेन | ०२ |
| ८.ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेतो रविंद्रबाब | ०३ |
| ९.इश्टांनो सांबाळून | ०३ |
| १०.म्हजे यादितलो जनमत कौल | ०४ |
| ११.छातीवंत चिन्ना | ०४ |
| १२.जागर | ०४ |

| कविता | गूण विभागणी |
|-----------------------|-------------|
| ६.खंय गेलो म्हजो गांव | ०२ |
| ७.नया वर्ष | ०२ |
| ८.जुजे नेणार | ०४ |
| ९.इश्टागत | ०४ |

| व्याकरण | गूण विभागणी |
|----------------------------|-------------|
| उरफाटी उतरां | ०२ |
| विशेशण | ०२ |
| भावनाम | ०२ |
| अव्यय वापरून वाक्यां घडयात | ०२ |
| वाक्प्रचाराचो वापर | ०२ |

| | |
|--|----|
| सुचवणेप्रमाण बदल करात | ०६ |
| वाक्याची योग्य येवजण | |
| काळ वळखात बरयात | |
| वाक्य शुध्द करात | |
| हयकारी न्हयकारी | |
| अव्यय वापरून / काडून / दोन विधानां करात. | |
| लिंग / वचन बदल करात | |
| आडी मारिल्ल्या उतराची जात बरयात | |

| | |
|--------------------------------------|--------------|
| रचना | गूण विभागणी |
| संवाद अपठीत (पाठाभायलो अर्दो दिल्ली) | ०४ |
| विशय दिवन पुराय संवाद बरयात | ०४ |
| उतारो आनी प्रस्न | ०५ |
| अणकार | ०२ |
| मुद्द्यांच्या आदारून काणी | ०५ |
| चीट — घरगुती आनी वेवहारीक | ०५ |
| निबंदलेखन | ०७ |
| | वट् — ८० गूण |

यत्ता धावी
(पयली सत्र परिक्षा)

| | |
|-------------|-------------|
| पाठ | गूण विभागणी |
| पाठ १ते ८ | २० |
| कविता १ते ६ | १२ |

व्याकरण — वट्ट १६ गूण

१. समानार्थी उतरां
२. उरफाटीं उतरां
३. वाक्प्रचाराचो अर्थ / वाक्यांत उपेग
४. विशेषणां करप
५. भावनामां करप
६. क्रियापदाचीं वाक्यांत रूपां
- १० उतरांच्यो जाती
- ११ काळ
- १२ हयकारी / न्हयकारी
- १३ वाक्याचें लिंग, वचन बदलून बरोवप
- १४ अव्ययां
- १५ उतराची मांडणी

| | |
|--------------|----|
| संवाद | |
| अर्धो दिल्लो | ०४ |
| विशय दिवन | ०४ |
| उतारो प्रस्न | ०५ |
| अणकार | ०२ |

रचना

| | |
|---------------------|----|
| मुद्यावयल्यान काणी | ०५ |
| चीट (दोनूय प्रकार) | ०५ |
| निबंध (सगळे प्रकार) | ०७ |

वट्ट ८० गूण